Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding alleged letter of Mumbai Police Commissioner mentioning extortion racket.

श्री मनोज कोटक (मुम्बई उत्तर-पूर्व): सभापति महोदय, महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में पिछले कुछ दिनों से जैसी घटना चल रही है और इस घटना में जिस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, …(व्यवधान) मामला ऐसे सामने आ रहा है कि डीजी रैंक का अधिकारी मुख्यमंत्री को पत्र लिखता है …(व्यवधान) इस पत्र में बताता है कि महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने एपीआई रैंक के अधिकारी को बुलाकर सौ करोड़ रुपये उगाही करने के लिए कहा है । …(व्यवधान) अगर सौ करोड़ रुपये की उगाही नहीं मिली, …(व्यवधान) उसके हिसाब से जो घटनाएं बनी हैं ।

यही अधिकारी आज एनआईए की गिरफ्त में हैं । एंटेलिया जैसे मकान के नीचे जिलेटिन स्टिक रखी गाड़ी के मामले में वह गिरफ्तार होता है । इस अधिकारी को गृहमंत्री कहता है कि तुम सौ करोड़ रुपये की उगाही 1742 'बार' से करके दो । कल तक बात चली थी, गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए ।

आज तक इस पत्र के सामने आने के बाद मुख्यमंत्री जी ने कुछ भी नहीं कहा है । मुख्यमंत्री जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं । महाराष्ट्र सरकार जिस तरह से चल रही है, महाराष्ट्र के लोगों में यह धारणा है कि ये ... * के लिए सरकार का उपयोग हो रहा है ।

सरकार अपने अधिकारियों और प्यादों को इस तरह से इस्तेमाल कर रही है कि 100 करोड़ की उगाही केवल मुम्बई जैसे शहरों में हो रही है, और शहरों का क्या हाल होगा? और शहरों का आंकड़ा क्या होगा? …(व्यवधान)

मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इस पर कार्रवाई होनी चाहिए । इसकी जांच सीबीआई से होनी चाहिए । महाराष्ट्र सरकार को ताबड़तोड़ ... (व्यवधान) मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए ।...(व्यवधान)

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): माननीय सभापति जी, अभी हमारे साथी माननीय कोटक जी ने अपनी बात रखी है । मैं किसी भी बात को नहीं दोहराऊंगा । ... (व्यवधान)

महोदय, पूरी दुनिया जानती है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है । जहां लोकतंत्र है वहां लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की जिम्मेदारी भी सरकारों की है । लेकिन जब यह जिम्मेदारी शासकीय या पुलिस अधिकारियों की पोस्टिंग की नीलामी में बदल जाए, तब यह विषय किसी राज्य का नहीं होता है, यह देश का विषय बन जाता है ।

सभापति जी, सदन को महत्वपूर्ण बात जाननी चाहिए, आखिर क्या वजह है, जिस एपीआई की बात आ रही है, जिसे 100 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था? शायद देश की पहली घटना होगी कि उस एपीआई के समर्थन में मुख्यमंत्री प्रैस कांफ्रेंस करते हैं और यह बताते हैं कि वह देश का सर्वश्रेष्ठ पुलिस अधिकारी है ।...(व्यवधान) बाद में 100 करोड़ रुपये का आरोप लगाने वाला व्यक्ति कोई और नहीं है, उनके राज्य का ही पुलिस कमिश्नर है । यह वह पुलिस कमिश्नर है जिसकी तारीफ में बकायदा सरकारी पत्र में लेख लिखे जाते हैं ।...(व्यवधान)

सभापति महोदय, क्या वजह है कि एक पुलिस कमिश्नर जिसकी तारीफ में अखबार में लेख लिखे जाते हैं, एक एपीआई जैसा व्यक्ति, क्राइम ब्रांच का, 16 साल के निलंबन के बाद बहाल होता है? वह परिस्थितियां क्या हैं जिसमें उसे 16

साल के बाद बहाल करना पड़ता है और वह क्राइम ब्रांच का इंचार्ज बनता है? उसे 100 करोड़ का लक्ष्य दिया जाता है और मुख्यमंत्री मौन हैं । ...(व्यवधान) वहां बेमेल गठबंधन की सरकार है । राष्ट्रीवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता कल रात तक कह रहे थे कि यह मामला गंभीर है, इस पर कार्रवाई होनी चाहिए, मुख्यमंत्री निर्णय करेंगे । लेकिन क्या वजह है कि आज सुबह भाषा बदल गई और कह दिया गया कि नहीं, नहीं, कोई इस्तीफा नहीं होगा? क्या गृह मंत्री से किसी तरह का डर है? कहीं ऐसा न हो कि गृह मंत्री सारी बातें उजागर कर दें कि 100 करोड़ में से हिस्सा किस-किस के पास जाता था ।...(व्यवधान)

यह विषय आज पूरे देश का है । यह कोई छोटी बात नहीं है । किसी देश के किसी प्रांत के गृह मंत्री पर एक पुलिस अधिकारी, डीजीपी स्तर का पुलिस अधिकारी आरोप लगाए कि 100 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है? पूरी की पूरी सरकार मौन है । ...(व्यवधान) पूरा देश जानना चाहता है कि एक जिले में 100 करोड़ रुपये तो पूरे महाराष्ट्र में कितने हजार करोड़ रुपये की वसूली थी? इसकी जानकारी देश को चाहिए ।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूं कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए । ...(व्यवधान) मुख्यमंत्री सहित पूरी सरकार को इस्तीफा देना चाहिए ।... (व्यवधान) केंद्रीय जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए ।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आपका नंबर आएगा । आपको मौका मिलेगा ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापति: आप बैठिए ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापति: कपिल पाटील जी, आप अपनी बात संक्षेप में रखिए ।

...(व्यवधान)

श्री कपिल मोरेश्वर पाटील (भिवंडी): माननीय सभापति जी, मुम्बई के कमिश्नर ने मुख्यमंत्री जी को पत्र दिया है, वह गंभीर पत्र है ।

इस विषय में मुख्यमंत्री जी ने इंक्वायरी करने के बजाय लैटर के ऊपर अपनी प्रतिक्रिया अलग-अलग तरह से दी है । यह पहला लैटर नहीं है, इससे पहले महाराष्ट्र के डीजी ...* जी ने भी एक लैटर दिया था । महाराष्ट्र सरकार में यह सब ...* चला, उससे दुखी होकर प्रतिनियुक्ति में केंद्र सरकार में आ गए । 100 करोड़ रुपये वसूल करने के लिए एक एपीआई को बोला जाता है, यह अति गंभीर बात है ।

मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि कल इस मामले में वरिष्ठ नेता ने कहा था कि मामला अति गंभीर है, लेकिन शाम तक क्या परिवर्तन हुआ, पता नहीं लेकिन बाद में कहा गया कि अभी रिजाइन देने की जरूरत नहीं है । इसका मतलब है कि शायद गृह मंत्री जी ने बोला होगा कि अगर मेरा रिजाइन लिया तो मैं सारे नाम ले लूंगा, सबकी पोल खोल दूंगा । अगर ऐसा हुआ है इसकी पूरी जानकारी मिलनी चाहिए ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आपके नेता बोल रहे हैं, प्लीज बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)

श्री विनायक भाउराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग): धन्यवाद सभापति महोदय, पिछले 14 महीनों से कई प्रयास करने के बाद भी महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की जो सरकार है, उसका नेतृत्व माननीय ... * जी मुख्य मंत्री के रूप में कर रहे हैं, इस सरकार को दूर करके वहां भाजपा की सरकार स्थापति करने के जो प्रयास चल रहे थे, वे पूरी तरीके से असफल हुए हैं । ...(व्यवधान) इसके लिए रा.ज.ग. द्वारा एक कपट नीति चलाने का काम दुर्भाग्य से केंद्र सरकार के माध्यम से हो रहा है । ...(व्यवधान) जिस ... * के लेटर के उल्लेख को लेकर आज आपने जीरो ऑवर में बोलने का दिया, ये ... * कौन है? ...(व्यवधान)

माननीय सभापतिः नाम मत बोलिए । नाम रेकॉर्ड में नहीं जाएगा ।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री विनायक भाउराव राऊतः सभापति महोदय, मैं अभी आपको उसके कारनामे पढ़कर सुनाता हूं । मुम्बई के उस वक्त के कमीशनर रिबैरो ने बताया कि ये ... * राज्य का अड्डा चलाने वाला एक आदमी है और इस ... * के बारे में एक दादरी पुलिस स्टेशन के एसीपी ... * ने 2 फरवरी, 2021 को वहां के होम सेक्रेटरी को लेटर लिखा है और उसमें उन्होंने कहा है कि ... * उस वक्त के भरत शाह और नवलानी भाई, ये पब चलाने वाले और जो परदेसी स्कैम में अटके हुए लोग हैं, उनके ... * हैं । ऐसा इल्जाम एसीपी श्री ... * ने लगाया है । …(व्यवधान)

सभापति महोदय, अगर मैं आपको यह लेटर पढ़कर दिखाऊंगा, तो एक मोस्ट करप्टेड …(व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री रवनीत सिंह जी ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति: हो गया, प्लीज बैठ जाइए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति: बिट्टू जी, आप बोलना प्रारंभ कीजिए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति: श्री रवनीत जी, आपका नाम बोला जा चुका है ।

श्री गिरीश भालचन्द्र बापट जी ।

…(<u>व्यवधान</u>)

<u>12.13 hrs</u>

At this stage, S/Shri Vinayak Bhaurao Rawat, Arvind Sawant, Mohammad Faizal P.P. and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

***SHRI GIRISH BHALCHANDRA BAPAT (PUNE):** Hon'ble Chairman Sir, the ... ** used to collect extortion money in Maharashtra but nowadays the ... ** itself is asking for extortion money. They have crossed all the limits. It is very shameful act. The ruling coalition government is a custodian of people's rights but, they only behave like ... **. Hence, I would like to request the central government to impose President's Rule in Maharashtra immediately.

There is no law and order in Maharashtra and there is chaos everywhere. Maharashtra has become a lawless state. Police are asking for money because the ministers and Chief Minister himself are supporting them.

Please look into this matter.

Thank you.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): सभापति महोदय, यह बहुत ही गंभीर मुद्दा है । यह केवल महाराष्ट्र की बात नहीं है, यह सारे देश की बात है । ...(व्यवधान)

यह बहुत चिंता की बात है । लेकिन, यह होता कहां है? जहां पर ओपोजिशन गवर्नमेंट्स हैं, वहां पर फेडरलिज्म क्यों तोड़ा जाता है? वहां पर क्यों देश की एजेंसियां आकर दखल देती हैं? उसके बाद हम पोलिटिकल लोग एक-दूसरे पर दोषारोपण करते हैं ।...(व्यवधान) जो ऑफिसर होते हैं, वे बच जाते हैं । इसमें हमेशा मेन कल्प्रिट ऑफिसर होते हैं । लेकिन, हम पोलिटिकल लोग एक-दूसरे की पार्टी पर आरोप लगाते हैं और वह ऑफिसर निकल जाता है । हम अपने आप को असेम्बली में, पेपर्स में या पार्लियामेंट में बुरा-भला कहते हैं । लेकिन, ऑफिसर नहीं निकलना चाहिए । यही ऑफिसर था, जो इनको वहां बहुत अच्छा लगता था । वही ऑफिसर है, जिसने आज यह काम किया है । ये ऑफिसर दोनों तरफ रहते हैं ।...(व्यवधान) लेकिन, वहां की सरकार के ऊपर, अगर, आप यहां से ऑफिसर भेजेंगे, तो महाराष्ट्र में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । वह एक ऐसा शानदार स्टेट है । वहां भी मध्य प्रदेश राज्य की तरह सरकार तोड़ना चाहते हैं । यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । बाहर की एजेंसी, वहां पर इंटरफेयर करे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । ...(व्यवधान)

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती) : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मेरे कुलीग्स जिस हिसाब से इस हाउस में यह बता रहे हैं कि महाराष्ट्र में किस तरीके से खंडनी वसूली का काम किया जा रहा है ।... (व्यवधान) मैं आपको बताना चाहूंगी कि जो व्यक्ति 16 साल तक सस्पेंड रहा है, जो व्यक्ति 7 दिन पुलिस स्टेशन में रहा, जेल में रहा है, उसकी रीज्वॉइनिंग किस बेस पर की गई है?...(व्यवधान) जब बीजेपी की सरकार थी, तब ... * साहब ने खुद माननीय ... * साहब को फोन किया और उनसे कहा कि ... * को रीइन्स्टेट

कराना चाहिए, इनको रीज्वॉइनिंग सर्विस देनी चाहिए ।...(व्यवधान) तब आदरणीय ... * साहब ने स्पष्ट रूप से नकार दिया था ।...(व्यवधान) उनकी पूरी हिस्ट्री को देखते हुए, उन्होंने बराबर नकारते हुए उनकी रीज्वॉइनिंग नहीं कराई थी ।...(व्यवधान) जिस दिन ... * जी की सरकार आई, ... * जी चेयर पर बैठे थे, उसी वक्त उन्होंने ... * जी को फोन करके पहला काम कराया कि आप ... * को ज्वॉइन करवाइए ।...(व्यवधान)

आप मुझे बताइए कि आज ... * के कारण ... * जी को सस्पेंड कराते हैं, उनकी बदली करवाते हैं । मुझे आपसे एक विनती करनी है कि गृह मंत्री जी का नाम आ रहा है ।...(व्यवधान) सभापति महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है ।...(व्यवधान)

अगर इस तरीके से देश में खंडनी वसूली का चक्कर शुरू हो गया, तो पूरे देश में इन चीजों को फॉलो किया जाएगा ।...(व्यवधान) मैं आपसे विनती करती हूं ।...(व्यवधान) महोदय, बस दो मिनट और ।...(व्यवधान) जिस तरीके से बाकी लोगों पर आरोप लगे हैं, मैं आपको बताती हूं कि हमारे महाराष्ट्र में मुख्य मंत्री जी के ही बोलने के कारण यह सब प्रकरण चल रहा है ।...(व्यवधान) बाकी इसमें कोई इन्वॉल्वड नहीं है । किसकी ट्रांसफर कहां करनी है और किससे खंडनी वसूल करनी है?...(व्यवधान) ये लोग जो यहां पर खड़े हैं, जो सीएसआर फंड के बारे में बात कर रहे हैं ।...(व्यवधान) अगर सिर्फ मुंबई से ही महीने की 100 करोड़ रुपये की वसूली होती होगी, तो पूरे महाराष्ट्र से कितनी वसूली होती होगी?...(व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री पी. पी. चौधरी जी, आप बोलना प्रारंभ कीजिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री पी. पी. चौधरी (पाली) : सभापति महोदय, आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है, उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं ।...(व्यवधान)

महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि एक पुलिस अधिकारी ने चिट्ठी लिखने के पहले मुख्यमंत्री जी को ब्रीफ किया, उपमुख्यमंत्री जी को ब्रीफ किया और उसके बाद जो नहीं करना चाहिए था, उन्होंने एनसीपी के सुप्रीमो को भी ब्रीफ किया है ।...(व्यवधान) उनको ब्रीफ करने की क्या जरूरत थी?...(व्यवधान) ब्रीफ करने के बाद उनको मजबूर होकर यह पत्र लिखना पड़ा और उस पत्र में बहुत ही गंभीर आरोप हैं ।...(व्यवधान) ऐसे आरोप हैं, जिससे यह पता लगता है कि पूरा का पूरा एक गिरोह बना हुआ था कि एक महीने में 100 करोड़ रुपये की उगाही करनी है ।...(व्यवधान) मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसे मामले में...(व्यवधान) यह नेशनल मुद्दा है ।...(व्यवधान)

श्रीमती पूनम महाजन (उत्तर मध्य मुम्बई) : सभापति महोदय, यह तीन पहियों की सरकार है । एक पहिया दूसरे के साथ नहीं चल रहा है ।...(व्यवधान) महाराष्ट्र में यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब आज एक डीजी लेवल के आईपीएस ऑफिसर कह रहे हैं कि एक एपीआई को 100 करोड़ रुपये महीने की वसूली करने के लिए कहा जा रहा है ।...(व्यवधान) अगर आप उसका गणित करेंगे, तो (100x12) करोड़ रुपये प्रति महीने अर्थात् 1,200 करोड़ रुपये हो गए हैं ।...(व्यवधान) उसके बाद आने वाले पांच साल, जब एक एपीआई से 6,000 करोड़ रुपये की अपेक्षा हो रही है, तब आप यह सोचिए कि राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के गृह मंत्री जी और कितने एपीआई से पैसा वसूल करना चाहते हैं । यह भी एक सवालिया निशान खड़ा करता है ।...(व्यवधान)

महोदय, दूसरी जरूरी बात यह है, मुझे यह समझ नहीं आ रही है कि जब गृह मंत्री जी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के हैं । वह हिम्मत कर रहे हैं कि हम पैसा भी लेंगे और हम हमारा इस्तीफा भी नहीं देंगे ।...(व्यवधान) तब शिवसेना को ... * है, यह मुझे नहीं समझ आ रहा है कि कौन किसकी चाकरी कर रहा है और कौन किसके लिए काम कर रहा है?...(व्यवधान) हम इसका विरोध करते हैं और हम आज यह मांग करते हैं कि...(व्यवधान)